

स्नेही स्वजन श्री।

ये बात अतारे हुए बेहद खुशी हो रही है की हमारी कुलदेवी चामुड़ा माताजी और सुरायुरा दादा के आशीर्वाद हैं मुल गंग (चालांगा) अभी बोन्वे (कलंबीली) के रहने वाले श्री रणधीरभाई भोजामाई लालाजी और श्रीमती रठियात्मेन रणधीरभाई लालाजी के सुपुत्र

चि. नितोरा



संग चि. प्रिया

कोयरखेली रहेचासी श्रीमती शांतीबाई व श्री. उनिया नायक राठोड

की सुपुत्री के साथ सन्त २०७५ का मागसर सुद श्रीज सोमवार ता. १०/१२/२०१८
के शुभ दिन आधीजीत किया है सो ये मांगलिक प्रसंगी वरचट्ठ को आशीर्वाद देने रहेनम्या आमंत्रण देते हैं।

- : ती . स्वेच्छाधिन :-

स्व: भोजामाई राजानगाई लालाजी
स्व: लालजीमाई भोजामाई लालाजी
श्री. रणधीरभाई भोजामाई लालाजी
श्री. जयतीमाई लालजीमाई लालाजी
श्री. सुरेश रणधीरभाई लालाजी
श्री. हर्षद रणधीरभाई लालाजी
श्री. जयेश रणधीरभाई लालाजी



स्व: देवीजेन भीजामाई लालाजी
स्व: विजयाजेन लालजीमाई लालाजी
श्रीमती रठियात्मेन रणधीरभाई लालाजी
श्रीमती निर्मला जयतीमाई लालाजी
श्रीमती जयश्रीजेन सुरेशभाई लालाजी

श्रीमती युजा जयेशभाई लालाजी

दहुको :-- ऐसम प्राहा की अलग है, आपका आना वही हमारे लीये कंक और चाचल है

हमारे काका और मामा के चिचाह मे जहर आईये :- चिन्य, दियेश, दिव्येश, लुश, हार्दिक, किला, हर्ष, यरी।

!! जान प्रस्थान !!
!! हस्थ मेलाया !!
सुबह:- ८.३०
किला घारक से. १.५ कक्षानीली

!! चिचाह स्थान !!
अर्थमाज छूल, सेकर ८,
वारी वस देयो के चिले,
बारी, नवी सुबह।

अर्द्धमाता अदीर, युद्धाल के चाज्जे,

सेकर ८-११, एंट नं. ८,
कर्णजोहरी, नवी सुबह।

समय:- साच.-६ से शत १०.३० बजे तक

